

20/8/19

पत्रावली पेशावरी वकील मर्गी उपरिषत नही  
न ही मर्गी उपरिषत। बार-बार भावने आवरि  
गई फिर भी कौटि उपरिषत नही आए। न ही बिली  
ने उपरिषत दी। अतः प्रकरण अहम हापरी अदम  
पेशी में शवाजि किया जाता है। पत्रावली येसप  
शुभार लोक नखाले कम है

